भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद : राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना (एनएएचईपी)

महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान

अन्तर्राष्ट्रीय पोषक अनाज (मिलेट) वर्ष 2023

भारत के प्रमुख पोषक अनाज (मिलेट्स)

बाजरा (Pearl Millet)

वैज्ञानिक नाम: *पेनिसिटम ग्लूकम*
उत्पत्ति स्थान : अफ्रीका
प्रमुख क्षेत्र : राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तरप्रदेश और हरियाणा

ज्वार (Sorghum)

वैज्ञानिक नाम : *सोरगम बाइकलर*
उत्पत्ति स्थान : अफ्रीका
प्रमुख क्षेत्र : महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु तथा राजस्थान

रागी / मंडुवा / बटी (Finger Millet)

वैज्ञानिक नाम : *इल्युसाइन कोराकैना*
उत्पत्ति स्थान : अफ्रीका
प्रमुख क्षेत्र : राजस्थान, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश और तमिलनाडु

कांगनी (Foxtail Millet)

वैज्ञानिक नाम : *सिटेरिया इटालिका*
उत्पत्ति स्थान : चीन
प्रमुख क्षेत्र : आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना और राजस्थान

कोदों / कोदरा (Kodo Millet)

वैज्ञानिक नाम : *पास्पेलम स्क्रोबिकुलेटम*
उत्पत्ति स्थान : भारत
प्रमुख क्षेत्र : मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और तमिलनाडु

कुटकी / हामली (Little Millet)

वैज्ञानिक नाम : *पेनिकम सुमाट्रेन्स*
उत्पत्ति स्थान : भारत
प्रमुख क्षेत्र : मध्य प्रदेश, उड़ीसा, झारखण्ड, उत्तरप्रदेश और राजस्थान

चीना / प्रू मिलेट (Proso Millet)

वैज्ञानिक नाम : *पेनिकम मिलिएसियम*
उत्पत्ति स्थान : चीन
प्रमुख क्षेत्र : तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश और उत्तराखंड

सांवा (Barnyard Millet)

वैज्ञानिक नाम : *इकाइनोक्लोआ फ्रूमेन्टेसीया*
उत्पत्ति स्थान : चीन
प्रमुख क्षेत्र : तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक और राजस्थान

कुरी (Browntop Millet)

वैज्ञानिक नाम : *ब्राचियरिया रामोसा*
उत्पत्ति स्थान : दक्षिण पूर्वी एशिया
प्रमुख क्षेत्र : कर्नाटक और आंध्रप्रदेश

कुट्टू (Common Buckwheat)

वैज्ञानिक नाम : *फेगोपायरम एस्कुलेन्टम*
उत्पत्ति स्थान : पश्चिमी चीन और पूर्वी भारत
प्रमुख क्षेत्र : जम्मू एवं कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश

चोलाई / राम दाना (Rajgira)

वैज्ञानिक नाम : *अमेरेन्थस क्रयुन्ट्स*
उत्पत्ति स्थान : मेक्सिको (दक्षिण अमेरिका)
प्रमुख क्षेत्र : केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक और महाराष्ट्र

INTERNATIONAL YEAR OF MILLETS 2023

संतुलित अनाज
मोटा अनाज

सेहत का राज
पोषक अनाज

मिलेट को बढ़ाओ
प्रकृति को बचाओ!!

2023 PICTORIAL GUIDE

G20 भारत 2023 INDIA

NAHEP

2023 PICTORIAL GUIDE

जनवरी

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

- 14 मकर संक्रान्ति
- 26 गणतंत्र दिवस

December, 2022

S	M	T	W	T	F	S
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

February, 2023

S	M	T	W	T	F	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28				

बाजरा (Pearl Millet)

वैज्ञानिक नाम	:	*पेनिसिटम ग्लूकम*
जलवायु	:	गर्म जलवायु (25–30 सेंटीमीटर वार्षिक वर्षा तथा 35–40° सेन्टीग्रेड तक तापमान वाले क्षेत्र)
उन्नत किस्में	:	एच.एच.बी.–67, एम.एच.–36, आर.एच.बी.–90, आर.एच.बी.–121, एच.एच.बी.–299 तथा ए.एच.बी.–1200
बोने का समय	:	जून से जुलाई
बुवाई दूरी	:	पौधे से पौधे : 10–12 से.मी. पंक्ति से पंक्ति : 45 से.मी.
बीज दर	:	4–5 कि.ग्रा./है.
खाद एवं उर्वरक	:	नत्रजन–60 कि.ग्रा., फास्फेट–30 कि.ग्रा. एवं पोटाश–30 कि.ग्रा. / है.
जल प्रबंधन	:	मुख्यतया वर्षा पोषित, सिट्टे बनते समय जल की क्रान्तिक अवस्था पर वर्षा के अभाव में सिंचाई आवश्यक।
शस्य क्रियाऐं	:	फसल जमने तक एक–दो बार निराई–गुड़ाई।
कटाई	:	अक्टूबर में या बालियां पूरी तरह पक जाने पर।
उपज	:	दाना : 20–30 क्विं./है. कडवी : 70–100 क्विं./है.
उपयोगिता	:	इसकी गुणवत्ता ज्वार से ज्यादा है। प्रोटीन–11.6%, वसा–5%, कार्बोहाइड्रेट–67% तथा खनिज तत्व–2.7%

G20 NAHEP आज़ादी का अमृत महोत्सव
INTERNATIONAL YEAR OF MILLETS 2023
अनुसंधान निदेशालय
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उदयपुर – 313001 (राजस्थान)

2023

PICTORIAL GUIDE

फरवरी

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28				

• 18 महाशिवरात्री

January, 2023

S	M	T	W	T	F	S
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

March, 2023

S	M	T	W	T	F	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

ज्वार (Sorghum)

वैज्ञानिक नाम : ***सोरगम बाइकलर***

जलवायु : गर्म, शीतोष्ण और उष्ण कटिबन्धीय क्षेत्र (तापमान : 25-32° सेन्टीग्रेड)

उन्नत किस्में : सी.एस.वी.-15, सी.एस.वी.-17 एवं 31, प्रताप ज्वार -1430

बुवाई का समय : जून-जुलाई

बीज दर : 10-12 कि.ग्रा./है.

बुवाई दूरी : पंक्ति से पंक्ति : 45 से.मी
पौधे से पौधे : 15 से.मी

खाद एवं उर्वरक : गोबर की खाद 12.5 टन/है.। सिंचित क्षेत्रों में फसल को नत्रजन 80 कि.ग्रा., फास्फेट 40 कि.ग्रा. असिचिंत क्षेत्रो में नत्रजन 40 कि.ग्रा., फास्फेट 20 कि.ग्रा./है.

जल प्रबंधन : वर्षा पोषित बरानी क्षेत्र, खड़ी फसल में उर्वरक देने के बाद और सिट्टे आते समय वर्षा जल अभाव में सिचांई आवश्यक।

शस्य क्रियाऐं : एट्राजीन 0.5 कि.ग्रा./है. को 500 लीटर पानी में घोलकर बुवाई के तुरन्त बाद छिड़काव। फसल को बुवाई के 15-35 दिन बाद तक एक या दो निराई या गुड़ाई कर खरपतवार मुक्त रखें।

कटाई : संकर किस्में : 90-100 दिन में
संकुल किस्में : 100-115 दिन में

उपज : संकर किस्में : 35-40 क्विं./है.
संकुल किस्में : 28-35 क्विं./है.

उपयोगिता : दाने एवं चारे के लिए कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, कैल्शियम, लौह तत्व, विटामिन-बी एवं नियासिन का स्त्रोत।

INTERNATIONAL YEAR OF MILLETS 2023

अनुसंधान निदेशालय

महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

उदयपुर - 313001 (राजस्थान)

2023 PICTORIAL GUIDE

मार्च

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

• 6 होलीका दहन • 7 धूलण्डी • 23 चेटीचण्ड • 30 रामनवमी

February, 2023

S	M	T	W	T	F	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28				

April, 2023

S	M	T	W	T	F	S
30						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

रागी / मंडुवा / बटी (Finger Millet)

वैज्ञानिक नाम : *इल्युसाइन कोराकैना*

जलवायु : गर्म व नम जलवायु वार्षिक वर्षा 50 से 100 सें.मी। पहाड़ी स्थानों पर उपयुक्त।

उन्नत किस्में : पेयूर-1, पी.आर.-202, वी.एल.-149, बी.एल. -124, पी.ई.एस.-400, आर.ए.यू.-8, गौतमी, टी. आर.वाई.-1, एस.आर.-1, सी.एफ.मी.वी.-1 तथा 2

बोने का समय : उत्तर भारत : जून से अगस्त
दक्षिणी भारत : वर्ष भर

बीज की मात्रा : 10 कि.ग्रा./है.

बुवाई दूरी : पंक्ति से पंक्ति : 20-25 से.मी.
पौधे से पौधे : 7.5 से.मी.

खाद एवं उर्वरक : 40 किग्रा. नाइट्रोजन, तथा 20 किग्रा फॉस्फेट/है.।

जल प्रबन्धन : वर्षा पोषित फसल में आवश्यकता नहीं। रोपाई द्वारा फसल बोने पर 10-12 दिन के अन्तराल पर सिंचाई।

शस्य क्रियाएँ : आरम्भ में 1-2 बार निराई-गुड़ाई कर फसल को 40 दिन तक खरपतवार मुक्त रखें।

कटाई : जून-जुलाई में बोई गई फसल की सितम्बर-अक्टूबर में कटाई।

उपज : दाना : 20-30 क्विं./है.
सूखा चारा : 35-40 क्विं./है.

उपयोगिता : पहाड़ी क्षेत्रों में मुख्य भोजन है। अंकुरित बीजों से माल्ट बनता है। मधुमेह रोगी के लिए रागी एक उत्तम आहार है। इसमें 9.2% प्रोटीन, 76.32% कार्बोहाइड्रेट, 1.3% वसा तथा 2.24% खनिज होते हैं। रागी में कैल्शियम, फॉस्फोरस, विटामिन ए तथा बी भी पाये जाते हैं।

2023
PICTORIAL GUIDE

अप्रेल

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29
30						

• 4 महावीर जयंती • 7 गुड फ्राईडे • 14 अम्बेडकर जयंती • 22 इदुल-फित्र

March, 2023

S	M	T	W	T	F	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

May, 2023

S	M	T	W	T	F	S
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

कांगनी (Foxtail Millet)

वैज्ञानिक नाम : *सिटेरिया इटालिका*

जलवायु : गर्म एवं नम जलवायु के 50-60 से.मी. वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्र।

उन्नत किस्में : अर्जुन, एस.आई.ए.-326, को.-4, ए.के. 132-1, गवरी (SR11), कृष्णा देवराय तथा के.-3

बोने का समय : सिंचित क्षेत्र में : मार्च-अप्रैल
वर्षापोषित क्षेत्र : जून - जुलाई

बीज दर : 8-10 कि.ग्रा./है.

बुवाई दूरी : पंक्ति से पंक्ति : 25 से.मी.
पौधे से पौधे : 10-15 से.मी.

खाद एवं उर्वरक : जैविक खाद : 10 टन/है., 40 कि.ग्रा. नत्रजन, 20 कि.ग्रा. फॉस्फेट तथा 20 कि.ग्रा. पोटाश/है.

जल प्रबन्धन : मुख्यतया वर्षा आधारित फसल है। मार्च-अप्रैल में बोई गई फसल को शुरू में 10-15 दिन के अन्तर पर सिंचाई करें।

शस्य क्रियाएँ : एक-दो बार आवश्यकतानुसार निराई -गुड़ाई करें।

कटाई : गहरे सुनहरे रंग की बालियाँ होने पर सितम्बर-अक्टूबर माह के मध्य।

उपज : दाना : 12 से 20 क्विं./है.
भूसा : 35-45 क्विं./है.

उपयोगिता : इसे दाने एवं चारे के लिये उगाया जाता है।इसके दानों में 12 % प्रोटीन, 60.8 % कोर्बोहाइड्रेट, 4.7 % वसा व 3.2 % खनिज तत्व पाये जाते हैं।

G20 NAHEP आज़ादी का अमृत महोत्सव
INTERNATIONAL YEAR OF MILLETS 2023
अनुसंधान निदेशालय
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उदयपुर – 313001 (राजस्थान)

2023 PICTORIAL GUIDE

मई

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

• 22 महाराणा प्रताप जयंती

April, 2023

S	M	T	W	T	F	S
30						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

June, 2023

S	M	T	W	T	F	S
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	

कोदों / कोदरा (Kodo / Kodon Millet)

- **वैज्ञानिक नाम** : *पास्पेलम स्क्रोबिकुलेटम*
- **जलवायु** : उष्ण एवं समशीतोष्ण जलवायु में 50-75 से.मी. वर्षा वाले क्षेत्र।
- **उन्नत किस्में** : डिंडोरी-73, पाली (जवाहर कोदो), जवाहर कोदो-101 (जे.एन.के.-101), जे.के.-76, जी.पी.यू.के.-3, ए.पी.के.-1, आर.के.-390-25 तथा टी.एन.ए.यू.-86
- **बोने का समय** : जून-जुलाई
- **बीज दर** : 15-20 कि.ग्रा./है.
- **बुवाई दूरी** : पंक्ति से पंक्ति : 22.5 से.मी.
  पौधे से पौधे : 10 से.मी.
- **खाद एवं उर्वरक** : 40 कि.ग्रा. नत्रजन, 20 कि.ग्रा. फॉस्फेट व 20 कि.ग्रा. पोटाश/है.
- **जल प्रबंधन** : मुख्यतया वर्षा आधारित फसल है।
- **शस्य क्रियाएँ** : 2-3 बार निराई-गुड़ाई आवश्यकतानुसार।
- **कटाई** : 90-120 दिन बाद सितम्बर से अक्टूबर में।
- **उपज** : दाना : 14-18 क्विं./है.
  भूसा : 30-45 क्विं./है.
- **उपयोगिता** : चावल की तरह उबालकर उपयोग। इसके दानों में 7.3-9.5 % प्रोटीन व 2.7-3.7 % तक वसा होती है।

G20 NAHEP आज़ादी का अमृत महोत्सव

INTERNATIONAL YEAR OF MILLETS 2023

अनुसंधान निदेशालय

महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

उदयपुर - 313001 (राजस्थान)

2023
PICTORIAL GUIDE

जून

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	

• 29 इदुल जुहा

May, 2023

S	M	T	W	T	F	S
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

July, 2023

S	M	T	W	T	F	S
30	31					1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

कुटकी / हामली (Little Millet)

वैज्ञानिक नाम : *पेनिकम सुमाट्रेन्स*

जलवायु : नम एवं उष्ण जलवायु वाले क्षेत्र।

उन्नत किस्में : पी. आर. सी., बिरसा गुन्दली-1, पियुर-1 तथा सी. सी. एल. एम. वी. -1

बोने का समय : जून एवं जुलाई

बीज की मात्रा : 8-10 कि.ग्रा./है.

बुवाई दूरी : पंक्ति से पंक्ति : 22.5 से.मी.
पौधे से पौधे : 1.5 से.मी.

खाद एवं उर्वरक : 20 कि.ग्रा. नत्रजन तथा 20 किग्रा फॉस्फेट /है.

जल प्रबन्धन : वर्षा आधारित फसल है। एक सिंचाई बालियाँ आने पर उपयुक्त है।

शस्य क्रियाएँ : 2 बार निराई-गुड़ाई आवश्यकतानुसार उपयुक्त है। बुवाई के 15-45 दिन तक फसल को खरपतवार मुक्त रखें।

कटाई : 75-90 दिन बाद अगस्त या सितम्बर में कटाई की जाती है।

उपज : दाना : 8 क्वि./है.
भूसा : 20-30 क्वि./है.

उपयोगिता : इसको चावल की तरह उपयोग में लाया जाता है। इसमें प्रोटीन 6.2 % तथा कार्बोहाइड्रेट 65.5 % होता है। कुटकी का दाना तथा पुआल जानवरों को खिलाने के काम भी आता है।

INTERNATIONAL YEAR OF MILLETS 2023

अनुसंधान निदेशालय

महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

उदयपुर – 313001 (राजस्थान)

2023 PICTORIAL GUIDE

जुलाई

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29
30	31					

• 29 मोहर्रम

June, 2023

S	M	T	W	T	F	S
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	

August, 2023

S	M	T	W	T	F	S
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

चीना / दू मिलेट (Proso Millet)

वैज्ञानिक नाम : *पेनिकम मिलिएसियम*

जलवायु : खरीफ व रबी में कम वर्षा वाले क्षेत्रों के लिए उपयुक्त। शुष्क एवं गर्म जलवायु सहन करने में सक्षम।

उन्नत किस्में : को.-4, नागार्जुन, सागर, भावना तथा बी.आर.-7

बोने का समय : खरीफ : जून से जुलाई
ग्रीष्मकालीन : 15 मार्च से 15 अप्रैल

बीज की मात्रा : 10 कि.ग्रा./है.

बुवाई दूरी : पंक्ति से पंक्ति : 25 से.मी.
पौधे से पौधे : 10 से.मी.

खाद एवं उर्वरक : 40 कि.ग्रा. नत्रजन, 20 कि.ग्रा. फास्फेट और 20 कि.ग्रा., पोटाश/है.

जल प्रबंधन : आवश्यकतानुसार 3 सिंचाई 10-12 दिन के अन्तर पर करनी चाहिए। खरीफ फसल में सिचांई की आवश्यकता नहीं।

शस्य क्रियाएँ : एक-दो बार निराई-गुड़ाई कर फसल की बुवाई के 15-45 दिन तक खरपतवार मुक्त रखें।

कटाई : 75 से 90 दिन बाद या अगस्त - सितम्बर माह में फसल पकने पर।

उपज : दाना : 15-20 क्वि./है. तथा कड़वी 35-40 क्विं/है.

उपयोगिता : रोटी बनाने, चावल की तरह उबाल कर खाने व भूनकर खाने में उपयुक्त, मुर्गी आहार में प्रयोग। इसके दानों में 12.5 % प्रोटीन एवं विशेषतया 4.6 % लाइसीन नामक अमीनो अम्ल पाया जाता है। लगभग 68.8 % कोर्बोहाइड्रेट व 1.2 % वसा होती है।

2023 PICTORIAL GUIDE

अगस्त

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

- 15 स्वतंत्रता दिवस
- 30 रक्षा बन्धन

July, 2023

S	M	T	W	T	F	S
30	31					1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

September, 2023

S	M	T	W	T	F	S
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

सॉंवा (Barnyard Millet)

वैज्ञानिक नाम : *इकाइनोक्लोआ फ्रूमेन्टेसीया*

जलवायु : नम एवं उष्ण जलवायु

उन्नत किस्में : कंचन तथा वी एल-29

बोने का समय : जून एवं जुलाई

बीज की मात्रा : 12-15 किग्रा/है.

बुवाई दूरी : पंक्ति से पंक्ति : 22.5 से.मी.
पौधे से पौधे : 1.5 से. मी.

खाद एवं उर्वरक : 40 किग्रा नत्रजन तथा 20 किग्रा फॉस्फोरस / है.

जल प्रबन्धन : वर्षा आधारित फसल है तथा जल निकास की समुचित व्यवस्था आवश्यक है।

शस्य क्रियाएँ : आवश्यकतानुसार दो बार निराई-गुड़ाई करनी चाहिए।

कटाई : फसल तीन महीने में पक जाती है। सितम्बर में कटाई कर देते हैं।

उपज : दाना : 12-16 क्वि./है.
पुआल : 40-45 क्वि./है.

उपयोगिता : इसको चावल की तरह उपयोग में लाया जाता है। इसमें प्रोटीन 7.2 % तथा कार्बोहाइड्रेट 64 % होता है।

अनुसंधान निदेशालय
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उदयपुर – 313001 (राजस्थान)

2023

PICTORIAL GUIDE

सितम्बर

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

- 7 जन्माष्टमी
- 25 बाबा रामदेव जयंती
- 28 बारावफात

August, 2023

S	M	T	W	T	F	S
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

October, 2023

S	M	T	W	T	F	S
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

कुरी (Browntop Millet)

वैज्ञानिक नाम	:	*ब्राचियरिया रामोसा*
जलवायु	:	उष्ण तथा उप-उष्ण जलवायु क्षेत्र
बोने का समय	:	अप्रेल से अगस्त
बीज दर	:	12-15 किग्रा/है.
बुवाई दूरी	:	पंक्ति से पंक्ति : 20-25 से.मी. पौधे से पौधे : 10 से.मी.।
खाद एवं उर्वरक	:	मिटट्री की जाँच के अनुसार 40 कि.ग्रा. नत्रजन तथा 20 कि.ग्रा. फॉस्फोरस/है.
जल प्रबन्धन	:	शुष्क एवं वर्षा आधारित फसल है।
शस्य क्रियाएँ	:	1 से 2 दिन निराई-गुड़ाई आवश्यकतानुसार करें।
कटाई	:	90-120 दिन बाद पककर तैयार हो जाती है।
उपज	:	15 से 25 क्वि./है.
उपयोगिता	:	कर्नाटक में इसे कोरेल के नाम से जाना जाता है जो दाने तथा चारे का काम में ली जाती है। इसे उबालकर दलिया तथा ब्रेड बनाने के काम में लिया जाता है। ये ग्लूटिन प्रोटीन मुक्त है। इसमें रेशा 12.5 % है। पत्तियाँ धारदार होने से जानवरों से सुरक्षा प्रदान करती है।

INTERNATIONAL YEAR OF MILLETS 2023

अनुसंधान निदेशालय

महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

उदयपुर – 313001 (राजस्थान)

2023 PICTORIAL GUIDE

अक्टूबर

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

• 2 महात्मा गांधी जयंती • 15 नवरात्री स्थापना • 24 विजयादशमी

September, 2023

S	M	T	W	T	F	S
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

November, 2023

S	M	T	W	T	F	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30		

कुट्टू (Buck Wheat)

वैज्ञानिक नाम	:	*फेगोपायरम एस्कुलेन्टम*	बीज दर	:	20 किग्रा/है.
जलवायु	:	शीतोष्ण (Temperate) एवं नम जलवायु (10-21° सेन्टीग्रेड)	बुवाई दूरी	:	पंक्ति से पंक्ति : 20-25 से.मी. पौधे से पौधे : 10-15 से.मी.
उन्नत किस्में	:	कोटो, मेनर तथा क्यूकेट कॉमन बक व्हीट की उपयुक्त किस्में है।	खाद एवं उर्वरक	:	अम्लीय मृदाओं में अच्छा रहता है। 20 किग्रा नत्रजन तथा 10 किग्रा फॉस्फोरस / है.
बोने का समय	:	गर्मी के मौसम से जुलाई तक पाला तथा अधिक गर्मी को देखकर बुवाई का समय तय करें।	जल प्रबन्धन	:	सीमान्त भूमि तथा वर्षा पोषित क्षेत्र की फसल है।
शस्य क्रियाएँ	:	2 से 3 निराई-गुडाई आवश्यकतानुसार करें।			
कटाई	:	70 से 90 दिन में पक जाता है।			
उपज	:	8-15 क्वि./है.			
उपयोगिता	:	इसे ब्रेड, दलिया, सब्जी तथा पशु फीड के काम में लिया जाता है। इसमें 65% कार्बोहाइड्रेट, 10.3% प्रोटीन, 2.4% वसा, 2.4% खनिज लवण, 8.6% रेशे, 0.07% कैल्शियम तथा 0.03% फॉस्फोरस होता है।			

INTERNATIONAL YEAR OF MILLETS 2023

अनुसंधान निदेशालय

महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

उदयपुर – 313001 (राजस्थान)

2023 PICTORIAL GUIDE

नवम्बर

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30		

• 1 विश्वविद्यालय स्थापना दिवस • 12 दीपावली • 13 गोवर्धन पूजा • 15 भाई दूज • 27 गुरूनानक जयंती

October, 2023

S	M	T	W	T	F	S
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

December, 2023

S	M	T	W	T	F	S
31					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

चोलाई / रामदाना / राजगीरा (Amaranthus)

वैज्ञानिक नाम	:	*अमेरेन्थस क्रयुन्ट्स / अमेरेन्थस हाइपोकोन्ड्रीक्स*
जलवायु	:	पहाड़ी एवं मैदानी शुष्क एवं शीतोष्ण जलवायु।
उन्नत किस्में	:	पहाड़ी भाग : अन्नपूर्णा, पी.आर.ए.-1, पी.आर.ए.-2, पी. आर.ए.-3, दुर्गा मैदानी भाग : जी.ए.-1, सुवर्णा, जी.ए.-2, कपिलासा, जी.ए.-3, आर.एम.ए.-4
बोने का समय	:	पहाड़ी क्षेत्र : जून-जुलाई मैदानी क्षेत्र : अक्टूबर-नवम्बर
बीज दर	:	1.5 किग्रा/है.
बुवाई दूरी	:	पंक्ति से पंक्ति : 45 से.मी. पौधे से पौधे : 10-15 से.मी.
खाद एवं उर्वरक	:	5 टन गोबर की खाद, 60 कि.ग्रा. नत्रजन, 40 कि.ग्रा. फॉस्फोरस तथा 20 कि.ग्रा. पोटाश / है.।
जल प्रबन्धन	:	रबी चौलाई में 3-4 सिचांई आवश्यकतानुसार करनी चाहिए।
शस्य क्रियाएँ	:	बुवाई के 25 तथा 45 दिन बाद निराई-गुड़ाई करें।
कटाई	:	90-120 दिन बाद पककर तैयार हो जाती है।
उपज	:	15 से 25 क्वि. दाना/है.
उपयोगिता	:	इसे दाने, सब्जी, चपाती, प्रसंस्कृत उत्पादों में उपयोग में लिया जाता है। इसमें 16% प्रोटीन, 62% कार्बोहाइड्रेट, 3% खनिज लवण, आयरन, विटामिन ए तथा फोलिक एसिड का अच्छा स्त्रोत है। इसे आभासी मिलेट (Pseudo Millet) भी कहा जाता है।

INTERNATIONAL YEAR OF MILLETS 2023

अनुसंधान निदेशालय

महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

उदयपुर – 313001 (राजस्थान)

मिलेट का भोजन

मोटे अनाजों की पोषण महत्ता

बीमारी का शोधन

❖ मोटे अनाजों की पोषण गुणवत्ता संतुलित है तथा गेहूं एवं चावल से बेहतर है।

❖ इन्हें गेहूं तथा चावल की जगह आंशिक या पूर्ण रूप से खाद्यान्न के रूप में उपयोग में लाया जा सकता है।

कैल्शियम

364 मि.ग्रा. रागी | 40 मि.ग्रा. गेहूँ | 7-8 मि.ग्रा. चावल

वसा

5.43 मि.ग्रा. बाजरा | 1.47 मि.ग्रा. गेहूँ | 0.52 मि.ग्रा. चावल

प्रोटीन

12.50 ग्राम चीना | 10.6 ग्राम गेहूँ | 7.94 ग्राम चावल

रेशे

11.49 ग्राम बाजरा | 11.23 ग्राम गेहूँ | 2.81 ग्राम चावल

मैग्नीशियम

153 मि.ग्रा. चीना | 125 मि.ग्रा. गेहूँ | 19.3 मि.ग्रा. चावल

जिंक

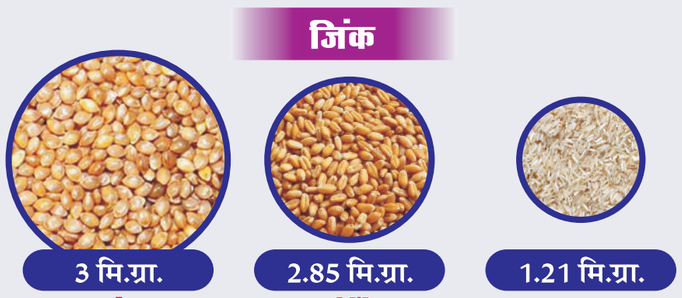

3 मि.ग्रा. सांवा | 2.85 मि.ग्रा. गेहूँ | 1.21 मि.ग्रा. चावल

आयरन

6.42 मि.ग्रा. बाजरा | 3.97 मि.ग्रा. गेहूँ | 0.65 मि.ग्रा. चावल

*मात्रा प्रति 100 ग्राम दाना

2023 PICTORIAL GUIDE

दिसम्बर

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30
31						

• 25 क्रिसमस डे

November, 2023

S	M	T	W	T	F	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30		

January, 2024

S	M	T	W	T	F	S
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

प्रेरणा एवं मार्गदर्शक

डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक
कुलपति
मप्रकृप्रौविवि, उदयपुर

समन्वयक

डॉ. एस. के. शर्मा
नोडल अधिकारी (मिलेट) एवं
निदेशक अनुसंधान, उदयपुर

सह-समन्वयक

डॉ. लतिका शर्मा
सह-आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
उदयपुर

डॉ. अरविन्द वर्मा
क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान
उदयपुर

डॉ. अमित त्रिवेदी
सहनिदेशक अनुसंधान
उदयपुर

डॉ. बी. जी. छीपा
सहायक आचार्य
उदयपुर

विशेष सहयोग

डॉ. राज कुमार फगोड़िया
वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता
अनुसंधान निदेशालय, उदयपुर

आभार

डॉ. पी. के. सिंह
परियोजना प्रभारी (आई.डी.पी.) एवं
अधिष्ठाता, सीटीएई, उदयपुर

डॉ. महेश कोठारी
सह-परियोजना प्रभारी (आई.डी.पी.),
सीटीएई, उदयपुर

डॉ. आर. ए. कौशिक
निदेशक प्रसार शिक्षा
उदयपुर

डॉ. श्याम सुन्दर शर्मा
अधिष्ठाता
राजस्थान कृषि महाविद्यालय
उदयपुर

डॉ. मीनू श्रीवास्तव
अधिष्ठाता
सामुदायिक एवं व्यावहारिक विज्ञान महाविद्यालय
उदयपुर

INTERNATIONAL YEAR OF MILLETS 2023

अनुसंधान निदेशालय

महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

उदयपुर – 313001 (राजस्थान)